हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live & dkunews24

वर्ष : 03 अंक–294 : जौनपुर, शुक्रवार 04 मार्च फरवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रुपया

दुनिया के किसी देश की हैसियत नहीं है कि वह भारत की तरफ आंख उठाकर देख सकें: राजनाथ सिंह

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जौनपुर के मल्हनी विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के पी सिंह के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि योगी जी ने हमसे बेहतर यूपी की सरकार चलाई है। राजनाथ ने मोदी सरकार की तारीफ करते हुये कहा कि आज दुनिया के किसी देश की हैसियत नहीं है कि वह भारत की तरफ आंख उठाकर देख सकें। उन्होंने कहा कि मैं किसी प्रधानमंत्री की आलोचना नही करता क्यो की प्रधानमंत्री एक संस्था होता है। भारतीय जनता पार्टी आप के भरोसे को टूटने नही देगी। हमारी पार्टी का कोई एक व्यक्ति वायदा करें तो भले ही वह पूरा न हो लेकिन पार्टी कहेगी तो जरूर पूरा होगा। क्योंकि हमारी पार्टी जो कहती है वह करती है, उन्होंने कहा कि भारत का विभाजन धर्म के आधार पर नहीं होना चाहिए था। पाकिस्तान, अफगानिस्तान या दूसरे देशों में जो हिन्दू, सिख, ईसाई जो जिल्लत भरी जिंदगी जीते हैं। उनके लिए हमने नागरिकता कानून को बनाया। जिससे कोई भी भारत में आना चाहता है तो आ सकता है उसे भारत की नागरिकता दी सके, राजनाथ सिंह ने कहा योगी सरकार में गुन्डे माफिया जेल में है प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज स्थापति किया है। पूरे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है, आज भारत दुनिया के मंचो में जब कुछ बोलता है तो दुनिया सुनती है, की भारत क्या बोल रहा है । दुनिया की कोई ताकत नही जो भारत को आँख दिखा सके। हम भारत का मस्तक कभी झुकने नही देंगे। भारत की ताकत बढ़ी है। यह गौरव की बात है। अब हम बार्डर पर वार करने वालो का मुंहतोड़ जबाब दे रहे है, जरूरत पड़ेगी तो बार्डर उस पार जाकर हम उनको सबक सिखा रहे है। उन्होंने भोजपुरी में बोलते हुये जनता से पूछा क्या आप लोग इससे पहले कभी इतना खाद्यान पाई थी की खाने के बाद बेचे भी। आज सीधे आपके खाते में किसान सम्मान निधि का पैसा आ रहा है, इसके पहले केंद्र से एक रुपया चलता था तो आपके पास पहुँचते–पहुँचते 10 पैसा पहुँचता था

ये हम नही कह रहे है, ये पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने कहा था। इसके पहले पूर्व मंत्री महाराष्ट्र कृपा शंकर सिंह और मल्हनी प्रत्यासी के पी सिंह ने जनता को सम्बोधित किया। के पी सिंह ने कहा कि 2014 में हमारे खिलाफ वोट कटवा लड़े थे, उस चुनाव में उनका स्थान चौथी थी इस बार उनको पांचवे पर भेजकर उनको बता दीजिये की जनता भाजपा के साथ है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने की। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, सुधाकर उपाध्याय, प्रमोद यादव, सुरेश गुप्ता, जिला प्रवासी संजय सिंह टाइगर, अश्विनी पटेल, ओमप्रकाश सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, सतीश सिंह, पाणिनी सिंह, मनोज सिंह, रामहित निषाद, आमोद सिंह, रागिनी सिंह, मण्डल अध्यक्ष गण जितेन्द्र मिश्रा, भूपेश सिंह, अजय मिश्रा, नरेन्द्र विश्वकर्मा, पवन जी विनोद सिंह, दिव्यांशु सिंह आदि उपस्थित रहे।

अंतिम चरण के लिए पीएम मोदी का काशी में डेरा : 26 घंटे घूमेगा रथ, तीनों विधानसभाओं में करेंगे रोड शो

वाराणसी ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के सियासी संग्राम के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने के लिए काशी की सड़कों पर उतरेंगे। सातवें चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दो दिन चार और पांच मार्च को प्रचार थमने तक पीएम वाराणसी में रहेंगे। काशी में भाजपा के प्रचार अभियान को धार देने के लिए पीएम का रथ 26 घंटे तक यहां घूमेगा। चार मार्च को प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में गोदौलिया से मैदागिन तक रोड शो करेंगे। काशी विश्वनाथ धाम में मत्था टेकने के बाद वे सोनारपुरा होते हुए लंका स्थित मालवीय प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। अगले दिन पांच मार्च को पीएम खजूरी में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री चार मार्च को वाराणसी के तीन विधानसभा क्षेत्रों कैंट, शहर उत्तरी और शहर दक्षिणी में रोड शो करेंगे। करीब 3.1 किलोमीटर लंबा होगा रोड शो पीएम मोदी दोपहर करीब दो बजे मलदहिया स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ अपने रोड शो की शुरुआत करेंगे। करीब 3.1 किलोमीटर लंबे रोड शो की शुरुआत शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र से होगी और दक्षिणी विधानसभा से होते हुए कैंट में जाकर समाप्त होगी। रोड शो का रूट मलदहिया चौराहे से शुरू होकर लहुराबीर, कबीरचौरा, लोहटिया, मैदागिन, नीचीबाग, चौक होते हुए बाबा विश्वनाथ धाम तक जाएगा। जहां से प्रधानमंत्री बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद लेने के बाद सोनारपुरा, अस्सी मार्ग से होते हुए बीएचयू गेट पर स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करेंगे। पीएम मोदी रात्रि विश्राम वाराणसी में करेंगे। रोड शो के लिए भाजपा ने ताकत झोंकी पीएम के रोड शो के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने बताया कि अपने सांसद और देश के प्रधानमंत्री का बनारस में भव्य स्वागत करने को भाजपा कार्यकर्ताओं से ज्यादा काशीवासी बेताब हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को काशी पूरी तरह से मोदीमय नजर आने वाली है। कल जनसभा को संबोधित करेंगे पीएम मोदी पीएम मोदी आठों विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के समर्थन में शनिवार को खजूरी में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसमें भाजपा ने सभी बूथों के कार्यकर्ताओं की सहभागिता की कार्ययोजना बनाई है। इसके बाद वे महमूरगंज स्थित लॉन में प्रबुद्धजनों से भी संवाद करेंगे। प्रचार थमने से पहले वे दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

मध्यान्ह भोजन योजना इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों की अवैध कमाई का जरिया बनी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं मिड डे मील को ऑर्डिनेटर्स की उदासीनता के कारण मध्यान्ह भोजन योजना इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों की अवैध कमाई का जरिया बन गई है।मध्यान्ह भोजन योजना का कुछ ऐसा हाल, बच्चे बेहाल और बिचौलिए मालामाल हो गए हैं। सरकार बच्चों को दोपहर का भोजन मुहैया करा रही है। परंतु असलियत तो यह है कि अन्य सरकारी योजनाओं की तरह मिड डे मील (एमडीएम) योजना भी भ्रष्टाचार की शिकार है। प्रधानाचार्यों के भ्रष्टाचार के बाद बच्चों को कैसा भोजन मिलता होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। मिड डे मील योजना से बच्चों की जगह बिचौलिए हृष्ट पुष्ट हो रहे हैं। पूरी की पूरी योजना एक बड़े गोलमाल की भेंट चढ़ गई है। हद तो यह है कि इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों के हाथ भी एमडीएम के गोलमाल में रंगे हुए हैं। विगत वर्षों में मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत खाना खाने से बीमार होने के दर्जनों मामले सामने आए और इनमें से अधिकांश मामले इण्टर कालेजों के कक्षा 06 से कक्षा 08 के बच्चों से जुड़े थे। लेकिन बेसिक शिक्षा अधिकारी इन इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों पर इस हद तक मेहरबान रहे हैं कि अशासकीय सहायता प्राप्त इण्टर कालेजों में कोई बेसिक शिक्षा अधिकारी जांच करना भी जरूरी नहीं समझता। इसके अलावा जिम्मेदार पर्याप्त धनराशि मिलने के बाद भी भ्रष्टाचार करने से नहीं चूक रहे हैं। इस कारण बच्चे घटिया खाना खाने से बीमार पड़ रहे हैं। एम डी एम में भ्रष्टाचार के कारण आईवीआरएस सिस्टम के भी फूल रहे हाथ पांव। एमडीएम के आंकड़ों की बाजीगरी को रोकने के लिए जून 2010 में आईवीआरएस (इंटरेक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम) की शुरुआत की गई । इस दैनिक अनुश्रवण प्रणाली का मकसद प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों एवं इण्टर कालेजों में प्रतिदिन एमडीएम ग्रहण करने वाले बच्चों की संख्या की सही जानकारी हासिल करना था।–टेक्नॉलॉजी के आधार पर कंप्यूटर और मोबाइल फोन के इंटरफेस के आधार पर इस प्रणाली से हर कार्य दिवस पर स्कूल के

प्रधानाध्यापक, अध्यापक और शिक्षामित्र का मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, जिससे ऑटोमेटिक कॉल इनके नंबर जाती है और एमडीएम ग्रहण करने वाले बच्चों की संख्या पूछी जाती है। इसके उत्तर में मोबाइल से अंक टाइप करके उत्तर देना होता है। खाना न बनने की स्थिति में शून्य दबाकर उत्तर देना होता है। इस सिस्टम से जनपदवार एक रियल टाइम रिपोर्ट बनाई जाती है। लेकिन अब भ्रष्टाचार के चलते इस व्यवस्था के भी हाथ पांव फूलने लगे हैं। इसके चलते अब बेसिक शिक्षा विभाग पंजीकृत स्टूडेंट्स का आधार नंबर दर्ज करने की व्यवस्था करने जा रहा है। मध्यान्ह भोजन में आईवीआरएस सिस्टम को बैकअप देने के उद्देश्य से बेसिक एवं माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को आधार के जरिए जोडने का जिम्मा यूपी डेस्को को दिया गया। लेकिन सॉफ्टवेयर की तकनीकी दिक्कतों के कारण अभी इस योजना को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है। सरकार की ओर से सरकारी स्कूल में सभी बच्चों को मध्यान्ह भोजन दिया जाता है, ताकि स्कूल में बच्चे रोजाना आयें और उन्हें पर्याप्त पोषण मिलता रहे. इसकी के लिए सरकार ने मिड डे मील योजना की शुरुआत की है. इस योजना के तहत सरकार बच्चों को शिक्षा के साथ ही स्वास्थ और पोषित बनाना चाहती है,परंतु भ्रष्ट माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने एम डी एम को अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया है।

धर्म–कर्म की धुरी पर घूम रही सियासत : भाजपा और सपा के बीच सीधी टक्कर : बसपा और कांग्रेस का प्रदर्शन तय करेगा परिणाम

वाराणसी ब्यूरो : शहर दक्षिणी सीट पर इस बार गंगा के समानांतर ही राजनीति की धारा भी प्रवाहित हो रही है। 30 साल से कब्जे वाली इस सीट पर भाजपा के प्रत्याशी और धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी के सामने सपा ने महामृत्युंजय मंदिर के महंत कामेश्वर नाथ दीक्षित उर्फ किशन को उतारा है। तीन दशक से इस विधानसभा क्षेत्र में घूम रहे भाजपा के विजय रथ की रफ्तार थामने के लिए सपा ने इस बार मजबूत घेरेबंदी की है। बहरहाल, बसपा के दिनेश कसौधन गुप्ता और कांग्रेस की मुदिता कपूर के प्रदर्शन पर भी काफी हद तक परिणाम निर्भर करेगा। इस सीट पर ब्राह्मण और वैश्य मतदाता निर्णायक की भूमिका में हैं। मुस्लिम और दलितों की अच्छी तादाद अलग समीकरणों की ओर भी इशारा करते हैं। भाजपा जहां काशी विश्वनाथ मंदिर के नव्य और भव्य स्वरूप के जरिये हिंदू मतों को एकजुट करने में जुटी है, तो सपा मुस्लिमों पर भरोसे के साथ हिंदू मतों में सेंधमारी के हर संभव प्रयास में लगी है। कांग्रेस भी मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने के साथ पंजाबी, सिंधी और हिंदू मतों को अपनी ओर करना चाहती है। सर्वसमाज के नारे के साथ बसपा भी मैदान में है। भाजपा ने 2017 में सात बार के दिग्गज श्यामदेव राय चौधरी का टिकट काट दिया था। डॉ. नीलकंठ तिवारी ने पिछले चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पूर्व सांसद राजेश मिश्रा को 17 हजार से ज्यादा मतों से पराजित किया था। इस बार के बदले समीकरण में शहर दक्षिणी की लड़ाई रोचक बनी हुई है।

बस्ती में सड़क हादसा: चुनावी ड्यूटी कर लौट रहे सीआरपीएफ के तीन जवानों की मौत : ड्राइवर की हालत नाजुक

बस्ती ब्यूरो : बस्ती–गोरखपुर फोरलेन पर मुंडेरवा थाना अंतर्गत खजौला चौकी के पास वाहन में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो में सवार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें 3 जवानों की मौत हो गई, वहीं ड्राइवर की हालत नाजुक बनी हुई है। फोरलेन पर खजौला चौकी के पास हुए हादसे में मृत सीआरपीएफ जवानों की पहचान कर ली गई है। उनमें देवरिया जिले के भाटपाररानी तहसील के विशुनपुरा के रहने वाल थे 43 वर्षीय धर्मेंद्रराम, थानाक्षेत्र लार के श्यामन गृह (गोरघाट) के 44 वर्षीय जय प्रकाश यादव और गोरखपुर के थाना बेलघाट के ढोढीपार के रहने वाले थे 41 वर्षीय हीरालाल शामिल थे। घायल ड्राइवर विकास तिवारी को बस्ती जिला अस्पताल से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वे लोग कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के चुनावी ड्यूटी करने के बाद जौनपुर जनपद में अंतिम चरण के मतदान की ड्यूटी करने जा रहे थे। एसपी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि सभी के परिवार वाले यहां पहुंचे हैं। दुर्घटना कारित करने वाले वाहन के चालक के विरुद्घ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बता दें कि कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में ड्यूटी करके लौट रहे सीआरपीएफ के तीन जवानों की बृहस्पतिवार देर रात 12 बजे फोरलेन पर मुंडेरवा थाने के खजौला के पास हादसे में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी आशीष श्रीवास्तव, एएसपी दीपेंद्र नाथ चौधरी, मुंडेरवा और पुरानी बस्ती समेत अन्य थानों की फोर्स मौके पर पहुंच

गई।पुलिस के अनुसार छत्तीसगढ़ से सीआरपीएफ की सी–112 कंपनी के जवान मतदान ड्यूटी में बस्ती आए थे। कप्तानगंज विधानसभा में इनकी ड्यूटी लगी थी। मतदान खत्म होने के बाद बोलेरो से देर रात गोरखपुर के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है बस्ती गोरखपुर फोरलेन पर मुंडेरवा थाना अंतर्गत खजौला चौकी के पास वाहन में एक ट्रक ने टक्कर मार दी।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

चुनावी रैली में गया शख्स दो दिन बाद भी नहीं लौटा घर, अनहोनी की आशंका

बस्ती ब्यूरो : समाजवादी पार्टी की 28 फरवरी को बस्ती के पॉलिटेक्निक ग्राउंड में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की रैली थी। इसमें सम्मिलित होने गया शख्स दो दिन बाद भी अपने घर नहीं लौटा। परिजन इधर–उधर तलाश कर थक गए और अब पुलिस को तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई है। पैकोलिया थाना क्षेत्र के जलालाबाद गांव निवासी भीमल साहनी ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि 28 फरवरी को उनका लड़का अरविंद साहनी (28) बस्ती रैली में गया था, जो अब तक घर नहीं आया है। अरविंद के गायब होने पर उसकी पत्नी गीता, उसका बेटा सनी (8), बेटी तनु (4) व माता दुर्गावती सहित पूरा परिवार गायब होने से सदमे में है। भीमल ने बताया कि बस्ती के पॉलिटेक्निक ग्राउंड के आसपास के गांव में घर–घर जाकर बेटे का पता लगा रहा हूं लेकिन उसका पता नहीं लग रहा है। पुलिस भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। ऐसे में परिजनों को अनहोनी की आशंका है। इस संबंध में थानाध्यक्ष पैकोलिया प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि थाने की फोर्स चुनाव ड्यूटी में गई हुई है, जैसे ही पोस्ट पर्याप्त मात्रा में आएगी, युवक का पता लगाने के लिए तलाश की जाएगी।

मतदान केंद्र से लौटी पत्नी का गला काट कर पति हुआ फरार

देवरिया ब्यूरो : देवरिया जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कोतवाली थाना क्षेत्र के धनौती राय गांव में गुरुवार दोपहर मतदान केंद्र से लौटी महिला की पति ने गला काटकर हत्या कर दी और कमरे का दरवाजा बंद कर फरार हो गया। मायके वालों ने दामाद पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के पिता को हिरासत में ले लिया है। धनौती राय गांव निवासी जय गोविंद यादव की शादी छह साल पूर्व बरसीपार गांव निवासी गुलाब यादव की बेटी शांति देवी (32) के साथ हुई थी। दोपहर में शांति देवी मतदान कर घर आईं तो किसी बात पर उनका पति से विवाद हो गया। बात बढ़ी तो जय गोविंद ने कमरे से बेटे और बेटी को बाहर निकाल दिया। आरोप है कि जय गोविंद ने धारदार हथियार से शांति की हत्या कर दी और शव को कमरे में बंद कर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। महिला के पिता ने कोतवाली पहुंच कर जय गोविंद पर आरोप लगाया है कि वह अक्सर शांति को दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। पिता और अन्य परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने पर हंगामा भी किया। कोतवाल नवीन कुमार मिश्र ने बताया कि हत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। आरोपी के पिता को हिरासत में लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

यूक्रेन से आए हरिमोहन और मनुशरण : घर पर मना जश्न

गोरखपुर ब्यूरो : यूक्रेन में फंसे शहर के दो छात्र हरिमोहन गुप्ता और मनुशरण श्रीवास्तव विशेष विमान से बुधवार की देर रात दिल्ली पहुंच गए। दोनों छात्रों के घरों पर जश्न का माहौल है। साकेत नगर, मुहईसुघरपुर के हरिमोहन गुप्ता, यूक्रेन के ओडिशा में फंसे हुए थे। वह बुधवार को हंगरी से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से उन्हें उत्तर प्रदेश भवन ले जाया गया। केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से उपलब्ध कराई गई गाड़ी से गुरुवार की दोपहर गोरखपुर अपने आवास पहुंचे। उनके पिता सज्जन लाल और मां निर्मला देवी ने घर को सजा रखा था। जैसे ही हरिमोहन घर पहुंचे, बहन ज्योति और पूजा ने चंदन–टीका लगाकर भव्य स्वागत किया। फिर फूल–माला पहनाकर स्वागत किया गया। पिता सज्जन लाल ने कहा कि बेटे के आने के बाद अब चिंता खत्म हुई है। वहीं, हरिमोहन ने यूक्रेन में मौत के साए में गुजारे पांच दिनों के हालात को बयां किया। कहा, आग के गोले बरस रहे थे। डर लग रहा था कि कहीं बम उनके रूम पर न गिर जाए। गनीमत रही कि जब हमले तेज होने लगे, तब तक हम बॉर्डर पर पहुंच गए थे। गुरुग्राम में बहन के पास रुक गए मनुशरण शहर की बिछिया कॉलोनी निवासी अतुल श्रीवास्तव के बेटे मनुशरण श्रीवास्तव दिल्ली एयरपोर्ट से अपनी बहन के साथ गुरुग्राम चले गए। मनुशरण अब एक से दो दिन में गोरखपुर आएंगे। पिता अतुल ने कहा कि अब दिन–रात की चिंता दूर हो गई। जब बेटा यूक्रेन की भयावहता की बातें साझा करता था तो हम लोग कांप जाते थे। केंद्र और प्रदेश सरकार की बदौलत ही बेटा सकुशल आ सका है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

लोग हमें अच्छा समझें, इस इच्छा का त्याग कर निरन्तर अच्छे से अच्छा बननें की चेस्टा करें।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

रूस की रणनीति : यूक्रेन झुकेगा तभी खत्म होगा युद्ध

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि वह रूसियों के प्राथमिक निशाने पर हैं। रूस उनकी सरकार को उखाड़कर वहां पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानकोविच के नेतृत्व में रूस–समर्थक सरकार लाना चाह रहा है, जो फिलहाल रूस में निर्वासन में हैं। पुतिन ने हालांकि आधिकारिक तौर पर कहा है कि यूक्रेन पर कब्जा करने का उनका कोई इरादा नहीं है, बल्कि वह वहां शासन में बदलाव चाहते हैं, जो रूस के प्रति उत्तरदायी हो।

यूक्रेन पर रूसी हमले का दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है और रूसी सेना लगातार यूक्रेन की राजधानी कीव सहित अन्य शहरों पर कब्जा जमाने की कोशिश में लगी हुई है। हालांकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आधिकारिक तौर पर इसे युद्ध नहीं कहा है, बल्कि अपने आक्रमण को यूक्रेन का अ–सैन्यीकरण और अ–नाजीकरण बताया है।

उन्होंने यूक्रेन के नेतृत्व पर नव–नाजी और ड्रग एडिक्ट होने का आरोप लगाते हुए वहां की सेना से अपील की है कि अगर वे यूक्रेन में शांति चाहते हैं, तो अपने देश के मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके। वास्तव में उनकी चिंता यूक्रेन के पश्चिम की ओर झुकाव को लेकर है। पश्चिम जानता है कि वह आधिकारिक रूप से युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन युद्ध नाटो की विस्तार नीतियों पर ही हो रहा है, जिसमें यूक्रेन बलि का बकरा है।

दूसरा हफ्ता चलने के बावजूद युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे। रूसी सैनिकों की गति शुरू में तेज थी, लेकिन जैसे–जैसे वे प्रमुख शहरों में प्रवेश कर रहे हैं, उनकी गति थोड़ी धीमी हो गई है। वे सड़क पर लड़ाई करने से बच रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के नागरिकों और सैनिकों को भारी नुकसान हो रहा है। इससे सुलह वार्ता में भी देरी हो सकती है। यूक्रेन उन शहरों में रूसी सैनिकों को रोक रहा है, जहां स्थानीय सैनिक लाभ की स्थिति में हैं।

हालांकि शहरों पर कब्जा करने और यूक्रेन को वार्ता के लिए बाध्य करने के लिए तोप और मिसाइल हमले बढ़ गए हैं, जिससे हताहत नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह तब है, जब रूसी सेना कह रही है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बना रही। अपने देश को बचाने के लिए यूक्रेन के लोग अपनी सेना के साथ युद्ध लड़ रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि युद्ध खत्म करने को लेकर पुतिन के मन में क्या है और क्या यूक्रेन एवं पश्चिमी देश रूस की शर्त मानने के लिए तैयार होंगे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि वह रूसियों के प्राथमिक निशाने पर हैं। रूस उनकी सरकार को उखाड़कर वहां पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानकोविच के नेतृत्व में रूस–समर्थक सरकार लाना चाह रहा है, जो फिलहाल रूस में निर्वासन में हैं। पुतिन ने हालांकि आधिकारिक तौर पर कहा है कि यूक्रेन पर कब्जा करने का उनका कोई इरादा नहीं है, बल्कि वह वहां शासन में बदलाव चाहते हैं, जो रूस के प्रति उत्तरदायी हो। पुतिन ने बार–बार नाटो के पूर्व की ओर विस्तार का विरोध किया था और उन्होंने उससे 1997 से पहले की स्थिति में लौटने की मांग की थी, क्योंकि इससे रूस के लिए खतरा बढ़ रहा था।

क्रीमिया पर कब्जे और वर्ष 2014 में दोनेत्स्क एवं लुहांस्क को स्वतंत्र देश घोषित करने के बाद यूक्रेन यूरोपीय संघ एवं नाटो में शामिल होने पर जोर दे रहा था। इस हमले का मुख्य उद्देश्य नाटो के विस्तार को रोकना और यूक्रेन को वापस रूसी नियंत्रण में लौटाना सुनिश्चित करना है। निस्संदेह यह संदेश जोरदार ढंग से दिया गया है। यूक्रेन के लिए पुतिन की शर्तें ये थीं कि वह किसी भी रूस विरोधी खेमे में शामिल न होकर तटस्थता की घोषणा करे और क्रीमिया और उसके अलग गणराज्यों के रूसी अधिग्रहण को भी मान्यता दे।

इसके अलावा वह अपने सैनिक न रखे और सुरक्षा के लिए रूस पर निर्भर रहे। इसका मतलब यह होगा कि यूक्रेन रूस के लिए सैन्य खतरा नहीं होगा और उसे व्यापक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) में शामिल किया जाएगा, जो पूर्व सोवियत संघ देशों के लिए बनाया गया था और रूस द्वारा नियंत्रित होता था। वर्ष 2013–14 की शीतकालीन क्रांति के बाद यूक्रेन की जनता ने खुद को रूसी प्रभुत्व वाले पूर्वी के बजाय पश्चिमी यूरोप का हिस्सा माना है। उनका मानना है कि यूरोप से जुड़कर उनका बेहतर विकास होगा। दूसरी तरह पश्चिमी यूरोप को रूस पर भरोसा नहीं है।

उसका मानना है कि रूस पश्चिम की तरफ अपना विस्तार करना चाह रहा है और मध्य यूरोप पर प्रभुत्व चाहता है। पश्चिम ने रूस को युद्ध विराम के लिए बाध्य करने की खातिर कई प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन ऐसा होने की संभावना नहीं है। प्रतिबंधों के दबाव में या घरेलू विरोध के चलते सैन्य अभियान रोकने से पुतिन के नेतृत्व पर असर पड़ेगा और उनकी वैश्विक व राष्ट्रीय छवि खराब होगी। इसलिए यह युद्ध तब तक चलेगा, जब तक यूक्रेन रूस की मांग मान नहीं लेता। इसके लिए यूक्रेन को रूसी शर्तों को स्वीकार करने के लिए बाध्य करना होगा, जो वर्तमान में जारी है।

बेलारूस की सीमा पर रूस और यूक्रेन के बीच दो दौर की वार्ता बेनतीजा रही है। यूक्रेन ने प्रतिरोध जताते हुए क्रीमिया, दोनेत्सक, लुहांस्क सहित अपने सभी क्षेत्रों से रूसी सेना हटाने की मांग की है, जो रूस को अस्वीकार्य है। वार्ता समाधान की तरफ तभी बढ़ेगी, जब रूस यूक्रेन के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर देगा। पुतिन इसी तरह से इस युद्ध के खात्मे का मन बना रहे हैं।

अमेरिका के नेतृत्व में नाटो ने यूक्रेन में सैन्य दखल देने से इनकार कर दिया है, हालांकि वह यूक्रेनी सेना को हथियार दे रहा है। यूक्रेन रूस की शक्तिशाली सेना के खिलाफ अकेले लड़ रहा है। पुतिन के लिए यह सुनिश्चित करने का मामला है कि उनके मजबूत विचारों को बरकरार रखा जाए। इसके लिए यूक्रेन को झुकना होगा। यह कब होगा, यह देखने वाली बात है। रूस की सेना को अनिश्चित काल तक पीछे धकेलने की शक्ति यूक्रेन के पास नहीं है।

मानवता के लिहाज से युद्ध गलत है, लेकिन रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा नजरिये से देखें, तो यह जायज है। चूंकि अमेरिका और नाटो रूसी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए यूक्रेन पीड़ा भोगने के लिए बाध्य है। युद्ध में शामिल सभी पक्ष बेगुनाह लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। सभी एक–दूसरे पर आरोप लगाते हैं, लेकिन युद्ध का खामियाजा केवल निर्दोष नागरिक ही भुगतते हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

यूक्रेन से वापस आए छात्रों की भाजपाइयों ने की हौसला अफजाई

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री, कर्मवीर सिंह चौहान और संदीप सिंह को जनपद के अलग अलग क्षेत्रों में जाकर यूक्रेन से वापस आए छात्रों और उनके परिजनों के हाल चाल और उनकी हौसला अफजाई करने निकले। जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह चौहान ने छात्र जय सक्सेना पुत्र राजेश सक्सेना स्टेशन रोड सण्डीला एवं फरहान सिद्दीकी पुत्र समी अहमद, माता शहनाज सिद्दीकी निवासी ग्राम हरदलमऊ सण्डीला के आवास पर पहुंचकर छात्रों एवं परिजनों का कुशल क्षेम जाना। छात्र के परिजनों ने सभी भारतवासियों और भारत सरकार का धन्यवाद किया। परिजनों ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के विराट व्यक्तित्व और भारत की मजबूत डिप्लोमेसी वजह बताई जो आज युद्धग्रस्त देश से सभी नागरिक सकुशल वापस भारत लौट आए। जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह ने वैभव कुमार पुत्र सुभाष अग्निहोत्री खतरना बिलग्राम , वीरेश कुमार पुत्र अमर सिंह भिठाईं माधौगंज, अनुज पाल पुत्र जय नारायण पाल राजेपुर मल्लावां के आवास पर जाकर छात्रों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर हालचाल प्राप्त किया। संदीप सिंह से छात्र वीरेश ने बातचीत में कि भारत के छात्र अपने हाथों में तिरंगा तथा गाड़ियों पर तिरंगा लगाकर सुरक्षित लौट पा रहे है। हमे अब पता चल रहा है कि भारत की शक्सियत विदेशों में कितनी बुलंद है। हम सब को भारतीय होने पर गर्व हो रहा है। इसी बातचीत में छात्र ने आश्चर्यजनक खुलासा किया कि उनके साथ रह रहे कई पाकिस्तानी छात्र भी जान बचाने

को हाथों में तिरंगा लेकर सुरक्षित यूक्रेन से बाहर निकल पाए। जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री ने छात्र शिवम वर्मा पुत्र डॉक्टर मोहनलाल वर्मा निवासी चील पुरवा हरदोई के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। छात्र की बहन स्मिता वर्मा ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका भाई सकुशल वापस आगया है इसके लिए सभी भारतवासियों का भी धन्यवाद प्रकट किया। मंगली पुरवा निवासी डॉ डीपी सिंह से मुलाकात कर उनकी पुत्री की कुशल क्षेम प्राप्त की छात्र शिवम के माता पिता दिल्ली में है जिस कारण उनसे वार्ता नही हो पाई। जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह के साथ रमेश वर्मा नीरज विद्यार्थी नीरज सिंह आयुष सिंह अभिषेक सिंह मंगत राम अर्कवंशी विजय गुप्ता भी मौजूद रहे।

तालाबों पर हो रहे अतिक्रमण व अवैध कब्जे

लखनऊ पत्रकार मृत्युंजय प्रताप सिंह : राजधानी में भू–माफियाओं की नजर तालाबों पर कोई आज की नहीं है। पिछले तीन दशकों में कई प्रसिद्ध तालाबों का अस्तित्व तक ही मिट गया है। आज भी भू–माफियाओं की पैनी नजर इन तालाबों पर रहती है। सरकार इन तालाबों को उनके पूर्व की शक्ल में लाने की कोशिश करती है किन्तु ये कार्य धीमी गति से चल रहा है। जिसका लाभ उठाकर भू–माफिया तालाबों पर अतिक्रमण कर इन पर कब्जा कर रहे हैं। इतना ही नहीं तालाब पर अवैध प्लाटिंग कर बेचा भी जा रहा है। वर्तमान समय राजधानी में कुल 9,591 तालाब हैं। प्रशासन के अनुसार 1614 तालाबों पर अतिक्रमण है। इनमें से 430 नगर निगम की सीमा में हैं। शेष 1194 ग्रामीण इलाकों में हैं। प्रशासन का कहना है कि इसकी समीक्षा की जा रही है। कोशिश है कि सभी तालाबों और जलाशयों का मूल स्वरूप वापस लौटाया जाये। शहरी क्षेत्र में कुल 924 तालाब हैं। इसमें से 430 पर कब्जा है। इनमें से 69 का कब्जा हटाया जा चुका है। इसी प्रकार ग्रामीण इलाकों से 596 तालाबों से भू–माफियाओं का कब्जा हटाया जा चुका है। लगभग दो–ढाई दशक पूर्व के कुछ जाने–माने तालाब और झील आज तक जहन में हैं, जिनका अस्तित्व ही खत्म कर दिया गया या हो चुका है। इनमें चांदगंज तालाब, अलीगंज के तालाब शामिल हैं। पर्यावरणविद् और जीएसआई के पूर्व निदेशक वी. के.जोशी के अनुसार राजधानी कभी झीलों और तालाबों से पटी हुयी थी। लामार्टिनियर लेक की सैर करने कई लोग जाते थे। चिरैया झील का भी हाल सही नहीं है। आशियाना और तेलीबाग के तालाब नजर नहीं आते। इन्दिरानगर में जिसे पानी का गांव कहा जाता है वहां छोटे–छोटे 90 से अधिक तालाब थे। जिनमें से एक भी नहीं बचा। राजधानी में यहां की जीवनधारा गोमती नदी ने कई तालाबों और झालों को जन्म दिया। वर्तमान समय में कई तालाब अवैध कब्जे का शिकार बन गये हैं। कुछ लोग भू–माफियाओं की सहायता से फर्जी इन्द्राज कर अपने नाम दर्ज करवा लेते हैं। कई तालाबों में घर का कूड़ा डाला जा रहा है। इनमें किनारे पर अतिक्रमण भी जारी है। पता करने पर ज्ञात हुआ कि मोहनलालगंज में 3811, सरोजनीनगर में 2078, बीकेटी में 2163, सदर में 706 व मलिहाबाद में 1333 तालाब हैं। राजधानी में कई ऐसे तालाब हैं जिनपर बैखौफ भू–माफियाओं ने राजस्व अभिलेखों में दर्ज सरकारी तालाब से लेकर करोड़ों रूपये की बेशकीमती ऊसर बंजर व सुरक्षित जमीनों को भी बेंच डाला है। यहां तैनात राजस्व कर्मियों को सरकारी जमीनों पर अवैध निर्माण की जानकारी तक नहीं हुयी। कई बार इन कारगुजारियों की शिकायत प्रशासन से की गयी पर नतीजा ढाक के तीन पात रहा। कुछ को छोड़कर कार्यवाही कछुये की चाल से चल रही है। उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद भी उच्च अधिकारियों के आदेश पर राजस्व कर्मी अवैध निर्माण हटाने के नाम पर खानापूर्ति कर कार्यवाही की इति श्री कर देते हैं। यही कारण रहा कि तालाबों और बेशकीमती जमीनों पर बहुमंजिला इमारतें खड़ी होती गयीं और स्थानीय लेखपाल आंखे मूंदे रहे। यहा बताते चलें कि

इलाहाबद उच्च न्यायालय ने प्रदेश भर के तालाबों को अतिक्रमण से मुक्त कराकर बहाल करने को लेकर कड़ा आदेश दिया था। न्यायालय ने कहा था कि प्रदेश में 1951–52 के राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाबों से अतिक्रमण हटाकर उन पर दिये गये पट्टे समाप्त किये जायें और तालाबों की पूर्व की स्थिति में बहाल किया जाये। न्यायालय ने यह भी कहा था कि अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के आदेशों के पालन में घोर लापरवाही बरती है। अब यदि अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरती जाती है तो उनके खिलाफ सम्बन्धित नियमों के तहत कार्यवाही की जाये। सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश के 19 वर्ष बीत जाने के बाद भी घोर लापरवाही बरती जा रही है। यह लापरवाही जमीनी हकीकत को दर्शाती है। जनपद की सभी चार तहसीलों में जमीनों की पैमाइश करवाना कोई आसान काम नही है। बिना सेटिंग के राजस्व टीम से यहां जमीन की पैमाइश और हदबरारी करवाना टेढ़ी खीर है। पीड़ितों के अनुसार टीम आमतौर पर वहां जमीनों पर कब्जा कर प्लाटिंग करने वालों के साथ खड़ी रहती है। जिसके कारण तमाम तालाबों व जमीनों पर अतिक्रमण होता है। ताजा मामला लखनऊ के देवपुर पारा निकटतम पीतांबर खेड़ा का ताजा मामला लखनऊ के देवपुर पारा निकट पीताम्बर खेड़ा (जलालपुर रेलवे क्रासिंग) राजाजीपुरम का है। यहां पर तालाब गाटा संख्या 171 स्थित है। यह तालाब पूर्ण रूप से कचरे से पटा हुआ है। तालाब के भूभाग पर अवैध कब्जा करके मकान बनाये जा रहे है। इसकी सूचना कई बार लिखित रूप में नगर आयुक्त की दी गयी। बावजूद इसके कोई कार्यवाही नहीं की गयी। अब इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की गयी है। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि पर्यावरण की दृष्टि से भी तालाबों का होना आवश्यक है। यहां आए दिन लोग अपने–अपने कब्जे दिखाते है। प्रशासन इस तालाब को अवैध कब्जे से मुक्त कराए। शीर्ष अदालत का यह है आदेश वन, तालाब, निजी घाट, जलस्रोत, रास्ता तथा आवादी स्थल प्रकृति की देन है। वे मानव जीवन के नाजुक परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखते हैं। उचित एवं स्वस्थ वातावरण में इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता है। ये लोगों को गुणवत्तापूर्ण जीवन का आनन्द लेने में सक्षम बनाता है। संविधान के अनुच्छेद–21 के तहत यह गारंटीयुक्त अधिकार का सार है। तालाबों को मिटाने व वातावरण को दूषित करने के लिए उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2001 में प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को आदेश दिया था कि प्रकृति प्रदत्त इन तालाबों को 1951–1952 की स्थिति में बरकरार माना जाए। प्रशासन इस आदेश का गुणवत्तापूर्ण पालन नहीं कर रहा है। समाज की इन बहुमूल्य धरोहरों से जल संरक्षण, पशुओं के चारे तथा पेयजल समस्या को जहां दूर करेगी वहीं भू–सन्तुलन बनाए रखने तथा पर्यावरण की रक्षा करने में मदद करेगा।

चुनाव ड्यूटी से अनुपस्थित कर्मचारियों को लोक प्रतिनिधि अधिनियम 1951 के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत की जाएगी दंडात्मक कार्यवाही

जौनपुर सू.वि. : उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है कर्मचारियों द्वारा यदि ड्यूटी से अनुपस्थित रहेंगे तो लोक प्रतिनिधि अधिनियम 1951 के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी और कोई भी कर्मचारी/अधिकारी किसी राजनीतिक दल का प्रचार प्रसार और मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करेंगे, अगर किसी कर्मचारी द्वारा किसी भी राजनीतिक दल का प्रचार प्रसार करते हुए पाये जाते है या मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं तो लोक प्रतिनिधि अधिनियम 1951 के अंतर्गत सुसंगत धाराओं में कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर यथासंभव एक महिला कर्मचारी की तैनाती की जाएगी, जिससे महिला मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित की जा सके।

''जीवन में आत्मनिरीक्षण'' करना महत्वपूर्ण : खुद को बेहतर बनाने के लिए 5 सकारात्मक हैक्स

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। क्या आपने कभी अपने स्वयं के विचारों के बारे में सोचा है या अपनी मानसिक प्रक्रियाओं पर सवाल उठाया है? क्या आप कभी–कभी संदेह या अनिश्चितता के क्षण में अपने मूल्यों को स्पष्ट करने के लिए समय निकालते हैं? यदि आपने ''हां'' का उत्तर दिया है, तो आप आत्म–प्रतिबिंब और आत्मनिरीक्षण के लिए अजनबी नहीं हैं। 1. अपने लिए मॉर्निंग रूटीन बनाएं। अपने आप को बेहतर बनाने के लिए अपने लक्ष्यों के साथ ट्रैक पर आने का यह एक शानदार तरीका है। इसके बारे में बात यह है कि लोग कभी–कभी भूल जाते हैं कि उन्हें वास्तव में अपनी गतिविधियों को निर्धारित करना चाहिए। 2.सावधान रहें। अपने आप को इकट्ठा करने, डीकंप्रेस करने और आपके पास जो कुछ भी है उसकी सराहना करने के लिए दिन के दौरान एक संक्षिप्त विराम लें। लेकिन जब आप आभारी होते हैं, तो आप चीजों को अधिक सकारात्मक और आशावादी मानसिकता के साथ देखने में सक्षम होते हैं। 3. कुछ नया सीखकर खुद का विकास करें और अधिक पढ़ें। क्या आप चाहते हैं कि आपने सोशल मीडिया, यूट्यूब या नेटफ्लिक्स पर कम समय बिताया हो? पढ़ना एक बढ़िया विकल्प है। दुनिया में सबसे सफल लोगों में से कई लोग हर दिन खुद को बेहतर बनाने के तरीके के रूप में पढ़ने को महत्व देते हैं। उदाहरण के लिए, बिल गेट्स एक साल में 50 किताबें पढ़ते

हैं – यानी प्रति सप्ताह लगभग एक। 4. एक व्यायाम दिनचर्या पर टिके रहें। यही कारण है कि सफल लोग नियमित रूप से व्यायाम करते हैं। यह हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है, हमें अधिक ऊर्जा देता है, और हमारे हार्मोन और भावनाओं को नियंत्रित कर सकता है, जो हमें केंद्रित और प्रेरित रहने में मदद करता है। 5. सकारात्मक मीडिया देखें और सुनें। यह कहावत, ''आप वही हैं जो आप खाते हैं,'' हम जो कुछ भी खाते हैं, उस पर भी लागू होता है, जैसे कि हम जो सुनते हैं और देखते हैं। हर पॉडकास्ट, मूवी और सोशल मीडिया पोस्ट जिसका हम उपभोग करते हैं, हमारी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को प्रभावित करती है।

फ्रेंडलिज रेस्टोरेंट एण्ड बैंक्वेट हॉल का भव्य शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। फ्रेंडलिज रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल का भव्य शुभारंभ गोमती नगर विस्तार–5 निकट सदर तहसील लखनऊ में वरिष्ठ समाजसेविका 'नम्रता पाठक' ,लखनऊ की लोकप्रिय एवं प्रथम महिला महापौर/मेयर 'संयुक्ता भाटिया' ' भूत पूर्व डी0.जी0 पुलिस स्व0 'वाई0 के0 मिश्रा'(IPS) जी की धर्म पत्नि 'नीना मिश्रा' ', पूर्व आई0जी0 एवं सदस्य पुलिस भर्ती बोर्ड 'आर0.के0.चतुर्वेदी' (IPS), 'जगत राज त्रिपाठी' (IPS) सेवानिवृत कमिशनर, 'हीरालाल' आई0.जी0 उत्तर प्रदेश पुलिस, 'केवल कुमार' वरिष्ठ साहित्यकार,देश के रक्षा मंत्री एवं सांसद लखनऊ 'राजनाथ सिंह' के कार्यालय प्रभारी राघवेंन्द्र शुक्ला, इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह, संजय सिंह, शैलेंद्र सिंह, यशवर्धन

एवं तमाम सम्मानित एवं प्रतिष्ठित जनों के मुख्य आतिथ्य एवं उपस्थिति में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने समाजसेवियों को गीता भेंट कर किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राजधानी के सीतापुर रोड स्थित प्रभात पुरम में श्रीमद् भागवत कथा का समापन एवं विशाल भंडारा तुलसी युवा विकास समिति एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार के द्वारा व्यासपीठ पर मंचासीन नैमिषारण्य कथावाचक पंडित पुनीत शास्त्री की पूरी टीम को सम्मानित किया गया। नवनियुक्त राष्ट्रीय युवा वाहिनी पदाधिकारियों का मनोनयन पत्र देकर सभी को गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय युवा वाहिनी ने संकेत वर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश, अमित शुक्ला प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश मुकेश मिश्रा सचिन तिवारी जिला अध्यक्ष लखनऊ प्रशांत शुक्ला जिला संयोजक सीतापुर सौरभ सिंह मनीष कुमार सिंह, राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद के स्थानीय संपादक आर एल पाण्डेय सहित तमाम संपादक वरिष्ठ पत्रकार विशेष संवाददाता ब्यूरो चीफ पत्रकार एवं समाजसेवी सम्मानित किए गए। राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद के संपादक हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि नौ वर्ष से भोलेनाथ की कृपा से

निरंतर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन महाशिवरात्रि के मौके पर हो रहा है।

अब केजीएमयू में भी होगा किडनी ट्रांसप्लांट : अभी तक पीजीआई और लोहिया संस्थान में ही थी सुविधा

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ में अभी तक पीजीआई व लोहिया संस्थान में ही किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा है। इन पर मरीजों का लोड अधिक होने से वेटिंग लंबी हो जाती है। चार से छह माह बाद मरीजों का नंबर आता है। ऐसे में गंभीर मरीजों को मजबूरन निजी सेंटर जाना पड़ता है। अब केजीएमयू में भी किडनी ट्रांसप्लांट शुरू होगा। इससे गंभीर मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने संस्थान को किडनी ट्रांसप्लांट के लिए बुधवार को लाइसेंस जारी कर दिया। केजीएमयू प्रशासन का कहना है कि पहले चरण में गंभीर रोगियों का ट्रांसप्लांट होगा। अप्रैल से संस्थान में प्रत्यारोपण शुरू होने की उम्मीद है। लखनऊ में अभी तक पीजीआई व लोहिया संस्थान में ही किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा है। इन पर मरीजों का लोड अधिक होने से वेटिंग लंबी हो जाती है। चार से छह माह बाद मरीजों का नंबर आता है। ऐसे में गंभीर मरीजों को मजबूरन निजी सेंटर जाना पड़ता है। इस परेशानी को देखते हुए केजीएमयू प्रशासन ने किडनी ट्रांसप्लांट शुरू करने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग को इसके लाइसेंस के लिए आवेदन किया। विभाग ने मानक परखने के बाद लाइसेंस जारी कर दिया। सीएमएस डॉ. एसएन शंखवार ने बताया कि लाइसेंस मिल गया है, अब जल्द ही संस्थान में ट्रांसप्लांट की सुविधा मिलने लगेगी। अभी विशेषज्ञों की मदद लेंगे डॉक्टर केजीएमयू में अप्रैल से किडनी प्रत्यारोपण शुरू होने की उम्मीद है। नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विश्वजीत, डॉ. लक्ष्य कुमार, डॉ. मेधावी गौतम की टीम ट्रांसप्लांट करेगी। इसमें पीजीआई व लोहिया के विशेषज्ञों की भी मदद ली जा सकती है। डॉ. एसएन शंखवार के मुताबिक, शताब्दी फेज–एक में नेफ्रोलॉजी विभाग है। यहां ट्रांसप्लांट यूनिट की आईसीयू में आठ बेड हैं। पहले चरण में आठ मरीजों का चयन संस्थान ने पहले चरण में आठ मरीजों का चयन किया है। इसमें मरीज–डोनर की जांच कराने संग प्रत्यारोपण की औपचारिकताएं पूरी की जा रही है। नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विश्वजीत ने बताया कि विभाग की ओपीडी में 100 से अधिक गुर्दा रोगी आ रहे हैं। 17 मशीनों का विभाग से संचालन हो रहा है। तीन शिफ्ट में रोजाना 55 से 60 मरीजों की डायलिसिस हो रही है। प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने से मरीजों को राहत मिलेगी।

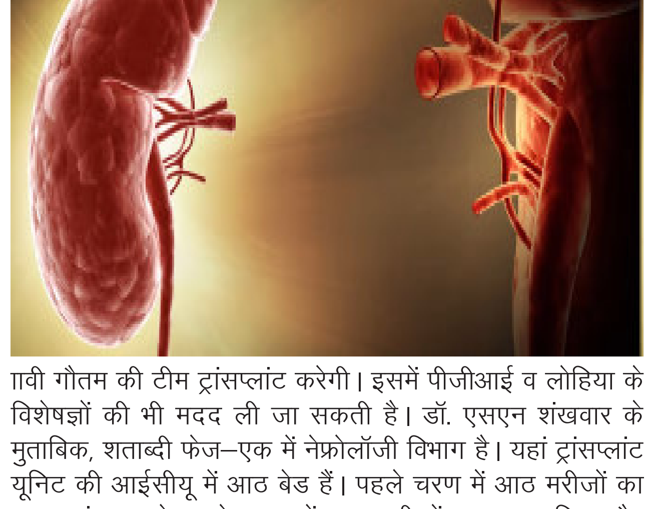

'शाहगंज बक्शा डोभी व महाराजगंज ब्लॉक पहुंचा सेमीफाइनल में'

जौनपुर सू.वि. : मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत न्याय पंचायत स्तर पर 30 जनवरी से शुरू हुआ क्रिकेट टूर्नामेंट जो निरन्तर चलता रहा, इसका आज क्वाटर फाइनल मैच खेला गया। मैच में परिषदीय विधालय के शिक्षक खेल रहे हैं। मोहम्मद हसन कॉलेज के मैदान पर शाहगंज ब्लॉक का सिरकोनी ब्लॉक के साथ क्वाटर फाइनल मैच खेला गया जिसमें शाहगंज ब्लॉक जीत गया। सिरकोनी ब्लॉक ने टास जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। शाहगंज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर मे 135 रन बनाए। जिसमे संदीप सिंह के द्वारा महत्वपूर्ण 55 रनों का योगदान दिया गया और कप्तान दिनेश प्रजापति के द्वारा 25 रन बनाए। इसके जवाब मे सिरकोनी की टीम निर्धारित 12 ओवरों मे मात्र 97 रन बना सकी। इस प्रकार शाहगंज ने 38 रनों से मैच जीत लिया। संदीप सिंह के द्वारा महत्वपूर्ण चार शानदार कैच पकड़े गए, बॉलिंग मे 2 विकेट लिए और 55 रन बनाए जाने के कारण मैन ऑफ द मैच दिया गया, इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहगंज राजीव कुमार यादव ने कहा कि एक स्वतंत्र देश का नागरिक होने के नाते मतदान सभी का अधिकार ही नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी है। मतदान ऐसी शक्ति है जिसका उपयोग कर हम एक योग्य व्यक्ति को चुन सकता है, और अपने प्रदेश देश के विकास में भागीदार हो सकता हैं। इसी दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभायें और 7 मार्च को मताधिकार का प्रयोग करें। खण्ड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी शशांक सिंह ने कहा कि किसी भी हालत में वोट डालने से गुरेज न करें। सभी मतदाताओं को अपने वोट का इस्तेमाल बिना किसी

भी लालच और भय से करना चाहिए। मतदान के अधिकार का इस्तेमाल हर हाल में होना ही चाहिए, ताकि बड़ी संख्या में मतदान हो सके। उधार दूसरे क्वाटर फाइनल मैच में डोभी ब्लाक ने जलालपुर को हराया, तीसरे क्वाटर फाइनल में बक्शा ने खुटहन को हराया, चौथे क्वाटर फाइनल में महाराजगंज ने सिकरारा ब्लॉक को हराया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी खुटहन अरुण यादव, मछलीशहर पंकज यादव, सिकरारा राजीव कुमार यादव, महाराजगंज बसंत शुक्ला, बक्शा सत्य प्रकाश सिंह, स्वीप कोआर्डिनेटर सै मो मुस्तफा, अरशद कमाल, राकेश यादव, रवि यादव, लोकेश मौर्य, वकार हसन, मोहम्मद तलाहा, अमरेन्द्र सिंह, अजय यादव सहित शाहगंज एवं सिरकोनी के खिलाड़ी उपस्थित रहें। उपस्थित सभी लोगों को मतदाता की शपथ दिलाई गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने बताया कि 4 मार्च को पहला सेमीफाइनल डोभी का महाराजगंज से, दूसरा सेमीफाइनल शाहगंज का बक्शा से तथा फाइनल मैच 5 मार्च को इंदिरा गांधी स्टेडियम सिददीकपुर में खेला जायेगा।

विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन संपन्न

जौनपुर सू.वि. : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने अवगत कराया है कि 03 मार्च 2022 को विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन डा0 लक्ष्मी सिंह मुख्य चिकित्साधिकारी जौनपुर की अध्यक्षता में सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि विश्व स्तर पर हर साल 3 मार्च को बहरेपन और सुनवाई की हानि को रोकने और दुनिया भर में कान और सुनने की क्षमता की देखभाल को बढ़ावा देने के बारे में जागरुकता फैलाने के प्रयासो पर विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है। नोडल अधिकारी एन0पी0पी0सी0डी0 कार्यक्रम डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि बहरापन ऐसी समस्या है जो उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या न होकर बचपन मे शुरु होने वाली परेशानी है। दुनिया भर में लगभग 466 मिलियन लोगो को सुनने मे दुर्बलता यानि बहरापन होता है, जिनमे से 34 मिलियन बच्चे है। दुनिया में लगभग 32 मिलियन बच्चो में सुनने की क्षमता में कमी है और प्रत्येक 1000 मे से 1 बच्चा जन्मजात सुनने की दुर्बलता के साथ पैदा होता है। बचपन की सुनवाई हानि में से 60 प्रतिशत ऐसे कारणे से होती है जिन्हे टाला जा सकता है। उनके द्वारा बताया गया कि हमारे कान के सुनने की क्षमता 80 डेसिबल होती है। आज के मार्डन लाईफस्टाइल में लोग अपनी सुनने की क्षमता को ही खो बैठते है क्योंकि कुछ लोग ज्यादा शोर वाले स्थानो पर काम करते है जिससे उनकी सुनने की क्षमता

प्रभावित होती है। लोगो में सुनाई न देने वाले प्रमुख कारणें में पर्दे में छेद या मेस्टोइड हडडी का गलना है। कान की सवसे छोटी हडडी स्टेपिज मे कपंन रुकना, कान में तरल पदार्थ भरना, वैक्स, सिर या कान पर चोट लगना है। तेज आवाज में म्युजिक सुनने से युवांओं में इस तरह की आशंका बढ़ जाती है। गलसुआ और खसरा आदि के संक्रमण के बाद भी कुछ लोगो में कम सुनने की समस्या होती है। कई बार दवाइयों के रियक्शन से भी ऐसा हो जाता है। उक्त गोष्ठी में अपर/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 सत्यनारायण हरिश्चन्द्र, डा0 एस0पी0 मिश्रा, डा0 नरेन्द्र सिंह जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, सत्यव्रत त्रिपाठी, जयप्रकाश गुप्ता, विनोद मौर्या एवं कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

जिले में नौ मार्च से चलेगा सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान

जौनपुर सू.वि. : टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' को लेकर पूरे एक माह (24 फरवरी से 24 मार्च) तक कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत टीबी रोग के प्रति जनजागरूकता के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार और संवेदीकरण किया जाएगा। जनपद के सभी धर्मगुरुओं के माध्यम से समुदाय में टीबी के प्रति जनजागरूकता लाने के प्रयास किए जाएंगे। जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ राकेश कुमार ने बताया कि नौ से 22 मार्च के बीच कुल 10 कार्य दिवसों में जनपद की कुल जनसंख्या के सापेक्ष 20 प्रतिशत आबादी में एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान (एसीएफ) चलाया जाएगा। अभियान में टीबी संभावित आबादी के बीच घर–घर टीमों को भेजकर नए टीबी के लक्षण वाले मरीजों को खोजा जाएगा। दो सप्ताह या अधिक समय तक खांसी आना, खांसी के साथ बलगम आना, बलगम में कभी–कभी खून आना, सीने में दर्द होना, शाम को हल्का बुखार आना, वजन कम होना और भूख न लगना टीबी के सामान्य लक्षण हैं। ऐसे लक्षणों वाले लोगों को टीबी की जांच अवश्य करानी चाहिए। जांच में टीबी की पुष्टि होने पर दवा का पूरा कोर्स करने से टीबी से जल्दी से जल्दी मुक्ति मिल सकती है। ऐसे ही मरीजों की अभियान के दौरान खोज की जाएगी। एसीएफ अभियान की सफलता के लिए जनपद के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के सभी अधीक्षकों एवं प्रभारी चिकित्साधिकारियों, अन्य विभागों जिसमें बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस), जिला पंचायत राज, बेसिक शिक्षा के अधिकारियों को 26 फरवरी को टीबी रोग के प्रति संवेदीकरण किया जा चुका है। जनपद में टीबी मरीजों को खोजने के लिए 10.5 लाख की आबादी का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें कुल 420 टीमें लगाईं गईं हैं। इन टीमों में शामिल आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण पांच मार्च तक सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर पूरा कर लिया जाएगा। अभियान के दौरान टीमों की मानीटरिंग एवं सुपरविजन के लिए 84 पर्यवेक्षक, 21 मेडिकल आफिसर ट्यूबरकुलोसिस (एमओटीसी) सहित जनपद के समस्त अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों (एसीएमओ) को तैनात किया जाएगा। एसीएफ टीमों की माइक्रोप्लानिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। क्षय उन्मूलन अभियान के जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) सलिल यादव ने बताया कि अभियान की व्यापक सफलता के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला क्षय नियंत्रण केंद्र के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में जिला टीबी टास्क फोर्स एवं जिला टीबी फोरम की बैठक कर ली गई है। जनपद में पिछला एसीएफ अभियान नवम्बर 2020 में जनपद की कुल 10 प्रतिशत टीबी संभावित आबादी के बीच चलाया गया था, जिसमें 107 नए टीबी मरीजों को खोजने में सफलता मिली थी। पंजीकरण की स्थिति और डीबीटी के आंकड़ेर– क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जिला समन्वयक (डीपीसी) सलिल यादव ने बताया कि वर्ष 2020 में 6,239 क्षय रोगियों का पंजीकरण हुआ है, जिसमें से 4,267 सरकारी अस्पतालों से तथा 1,972 निजी अस्पतालों से हुआ है। वर्ष 2021 में 6,569 क्षय रोगियों का पंजीकरण हुआ जिसमें से 4,644 सरकारी अस्पतालों से तथा 1,925 निजी अस्पतालों के मरीज थे। 14 वर्ष तक के बच्चों का वर्ष 2019 में 346, वर्ष 2020 में 275 तथा वर्ष 2021 में 272 पंजीकरण हुआ है। इस तरह से इन तीन वर्षों में 893 क्षय रोग ग्रसित बच्चों का पंजीकरण हुआ। निक्षय पोषण योजना के तहत वर्ष 2018 में 19.60 लाख रुपए, वर्ष 2019 में 88.77 लाख रुपए, वर्ष 2020 में 2.10 करोड़ रुपए तथा वर्ष 2021 में 1.74 करोड़ रुपए क्षय रोग उपचाराधीन मरीजों के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत भेजे गए हैं। इस तरह से इन चार वर्षों में करीब 4.92 करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से भेजे जा चुके हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी का कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक की। बैठक में विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 की तैयारियों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा–निर्देश अधिकारियों को दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से ईवीएम, वीवीपैट एवं अन्य सामग्री के उपलब्ध कराने, पार्टी रवानगी के दौरान एवं बूथ पर पहुंचने के उपरांत की जाने वाली प्रक्रिया सहित अन्य बिदुओं पर चर्चा की गयी। जिला निर्वाचन आधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि सबसे पहले अपने सेक्टर के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कर मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि जिस भी गांव में जाएं उस गांव के चार–पांच व्यक्तियों का मोबाइल नंबर अवश्य रखें, मतदान के दिन के प्रथम 2 घंटे सबसे महत्वपूर्ण रहेंगे जिसमें सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरी तरह मुस्तैद रहें। उन्होंने कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने–अपने सेक्टर में मतदान के दिन वाहन से भ्रमणशील रहेंगे और अगर कहीं से भी ईवीएम मशीन खराब होने की समस्या की शिकायत आती है तो तुरंत उसे आयोग के निर्देशानुसार रिप्लेस करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी धैर्य बनाकर और उत्साह पूर्वक लोकतंत्र के इस महापर्व को संपादित करें। मतदान केंद्रों पर यदि फर्नीचर या किसी अन्य प्रकार की असुविधा है तो उच्च अधिकारियों से अवगत कराते हुए समस्या का निस्तारण कराये। इस दौरान प्रशिक्षक ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को मशीन में आने वाले सभी प्रकार के समस्या (एरर) और उसके निवारण की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामप्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला, जिला विकास अधिकारी बी.बी.सिंह, समस्त रिटर्निंग ऑफिसर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पोस्टल बैलट मतदान में जनपद जौनपुर उत्तर प्रदेश मे रहा अव्वल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्षरत संगठन अटेवा जौनपुर की जिला इकाई ने जिले में हुए रिकॉर्ड तोड़ पोस्टल बैलट मतदान पर खुशी जतायी ,तथा जनपद के सभी शिक्षकों ,कर्मचारियों ,अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। अटेवा जौनपुर के जिला मिडियाप्रभारी इंदुप्रकाश यादव ने बताया कि 24 फरवरी से 3मार्च तक शहर के टी डी इंटर कॉलेज में जिला प्रशासन द्वारा मतदान कार्मिकों के पोस्टल बैलट से मतदान के लिए एक अच्छी व्यवस्था की गयी थी, जिले के मतदान कार्मिकों में इस बार अपने मुद्दे को लेकर जबरदस्त उत्साह था, जिसका परिणाम रहा कि इस बार प्रदेश के सभी जनपदों के रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए जनपद जौनपुर में नौ विधानसभा के शिक्षक / कर्मचारियों के 12680 मत पड़े। जिसमे मल्हनी विधानसभा में सर्वाधिक 2231 मत शिक्षक/कर्मचारियों ने डाला ,दूसरे नम्बर पर सदर में 1630 मत पड़ा । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर डॉक्टर गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया और अटेवा के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न ब्लॉकों में मतदाता जागरूकता अभियान के कारण पोस्टल बैलट में जौनपुर पहले स्थान पर रहा।अटेवा के महामंत्री संदीप कुमार चौधरी ने बताया कि लोकतंत्र में अपने अधिकार को मतदान के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।अटेवा धर्मापुर के ब्लॉक अध्यक्ष मनीष यादव ने कहा कि मतदान कार्मिकों ने अपना मतदान कर इस देश के लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया है । अटेवा के जिला संयोजक चन्दन सिंह ने बताया कि अटेवा ने सभी शिक्षक/ कर्मचारियों को अपने मुद्दे के प्रति सोशल मीडिया व अन्य प्लेटफार्मो के माध्यम से जागरूक किया जिसका परिणाम जनपद जौनपुर ने रिकॉर्ड तोड़ मतदान कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुँचने में सफल हुआ।

समाजसेवी राजेश ने दिव्यांगों को मतदान हेतु घर–घर जाकर किया जागरूक

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जनपद जौनपुर के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और दिव्यांग मतदाता कोऑर्डिनेटर राजेश कुमार ने 7 मार्च को विधानसभा चुनाव में दिव्यांगों के घर और दुकानों पर जाकर के उनको मतदान करने के लिए जागरूक किया और उनको समझाया कि

चुनाव एक पवित्र राष्ट्रीय पर्व है और मतदान देना आपका नैतिक कर्तव्य एवं अधिकार है और आप मतदान केंद्र पर जाकर के आप मतदान करें जिससे सुदृढ़ ,अच्छी , विकासोउन्मुख और बहुमत की सरकार बन सके जिससे देश का विकास हो सके इस जागरूकता अभियान में श्रीमती किरण ,नाजिया, अजय श्रीवास्तव नवनीत श्रीवास्तव इत्यादि का विशेष योगदान रहा।

बंदिशें तोड़ नगर निगम में शामिल होना चाहते हैं मेरठ कैंट के बाशिंदे

मेरठ ब्यूरो : मेरठ कैंट में नया निर्माण तो दूर घर की मरम्मत तक करना भी आसान नहीं है। परिवारों का आकार बढ़ा तो घर में बंटवारा कर दीवार खींचने की भी यहां अनुमति नहीं। आबूलेन जैसे शानदार बाजार भी कैंट बोर्ड की नजर में अवैध हैं। वेस्ट एंड रोड के अधिकांश बड़े स्कूल हों

या फिर आम लोगों के छोटे–छोटे घर, सब मुश्किल में हैं। यहां लोग जमीन के नहीं सिर्फ मलबे के मालिक हैं। यही कारण है कि यहां के लोग कैंट के कानूनों की बंदिशें तोड़कर नगर निगम में शामिल होना चाहते हैं। मेरठ कैंट बोर्ड की स्थापना वर्ष 1803 में हुई। तभी से यहां ब्रिटिश काल के कई कानून चले आ रहे हैं। कई बार कैंट एक्ट में संशोधन भी हुए पर यहां के लोगों को राहत नहीं मिली। कैंट के लोग चाहते हैं कि यहां का सिविल एरिया नगर निगम में शामिल किया जाए। निगम में शामिल होने के बाद लोगों को यहां कैंट एक्ट की पाबंदियों से मुक्ति की उम्मीद है।

फार्मेसी एक्ट के 75 वर्ष डायमंड–गोल्डन जुबली वर्ष में प्रवेश पर पूरे वर्ष चलेगा जागरूकता कार्यक्रम– सुनील यादव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 4 मार्च 1948 को भारत में फार्मेसी एक्ट भारत की संसद द्वारा पारित कर देश में लागू किया गया था, 4 मार्च 2022 को फार्मेसी एक्ट अपने 75वें वर्ष (डायमंड गोल्डन जुबली वर्ष) में प्रवेश कर रहा है, देश की जनता को अच्छी औषधियां उपलब्ध कराने, फार्मेसी के क्षेत्र में अच्छी शिक्षा प्रदान कर प्रशिक्षित लोगों द्वारा ही फार्मेसी प्रैक्टिस किए जाने की व्यवस्था,किसी भी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा फार्मेसी व्यवसाय को रोकने सहित अन्य पावन उद्देश्यों को लेकर फार्मेसी एक्ट का गठन भारत सरकार द्वारा किया गया है , फार्मेसी एक्ट वास्तव में देश में फार्मेसी प्रैक्टिस के कवच के रूप में, फार्मेसिस्टों की सुरक्षा कवच के रूप में, आम जनता के लिए सुरक्षित औषधियों के कवच के रूप में स्थापित है । स्टेट फार्मेसी कौंसिल उत्तर प्रदेश के पूर्व चौयरमैन और फार्मासिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक एवं फेडरेशन ऑफ इंडियन फार्मेसिस्ट ऑर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के के सचान, महामंत्री अशोक कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे पी नायक , उपाध्यक्ष सरफराज अहमद, राजेश सिंह, ओ पी सिंह, जी सी दुबे,डीपीए अध्यक्ष संदीप बडोला, महामंत्री उमेश मिश्र, अखिल सिंह, कपिल वर्मा, सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने देश के सभी फार्मेसिस्टो को बधाई दी है । श्री यादव ने कहा कि इस वर्ष सभी राज्य सरकारों से अपेक्षा है कि एक्ट के पूरी तरह परिपालन सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य कदम उठाएं । एक्ट की धारा 26 ए के अनुसार सभी राज्यो में फार्मेसी इंस्पेक्टर की तैनाती हो जिससे इंफोर्समेंट मजबूत हो सके । सुनील यादव ने बताया कि 4 मार्च 1948 को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए फार्मेसी अधिनियम लागू किया गया था। इस लोक कल्याण अधिनियम के तीन मुख्य उद्देश्य थेः– सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक एलोपैथिक दवाओं का सही भंडारण, सटीक वितरण सुनिश्चित करने के लिए फार्मेसी के क्षेत्र में विधिवत योग्य व्यक्ति ही फार्मेसी के पेशे में प्रवेश करें । 'धारा 42 के अनुसार केवल विधिवत पंजीकृत फार्मासिस्ट ही पंजीकृत चिकित्सकों के पर्चे पर दवाएं तैयार, मिश्रित या वितरित करेंगे और इसका उल्लंघन करने पर 6 महीने तक की कैद या 1000 रुपये के जुर्माने से या दोनों से दंडित किया जा सकता है। तथा धारा 41(2) बी के अनुसार एक पंजीकृत फार्मासिस्ट के अलावा कोई भी व्यक्ति अपने नाम के साथ ''फार्मासिस्ट'', ''केमिस्ट'', ''ड्रगिस्ट'', ''फार्मास्युटिस्ट'', ''डिस्पेंस'', ''डिस्पेंसिंग केमिस्ट'' या ऐसे शब्दों के किसी भी संयोजन का उपयोग नहीं करेगा । इसका उल्लंघन करने पर पहली बार दोषी ठहराए जाने पर 500 रुपये तक का जुर्माना और बाद में दोषी ठहराए जाने पर छह महीने तक की कैद या 1000रुपये तक का जुर्माना या दोनों लगाया जा सकता है। फार्मासिस्टों के लिए शिक्षा के पहले उद्देश्य को पूरा करने के लिए, केंद्र सरकार द्वारा भारतीय फार्मेसी परिषद (पीसीआई) का पहली बार गठन 9 मार्च, 1949 को किया गया था। फिर पीसीआई ने पूर्व अनुमोदन के साथ शिक्षा विनियम (education regulations)1953 मे बनाए। पीसीआई की

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020–2021 के दौरान डिप्लोमा–इन–फार्मेसी पाठ्यक्रम के लिए 3150 अनुमोदित फार्मेसी कॉलेज थे, जिनमें प्रति वर्ष 1,90,000 प्रवेश हुआ बी. फार्म के 2243 संस्थानों में 1,66,841 प्रवेश हुआ। पीसीआई वेबसाइट के अनुसार (26–02–2022 तक): – (i) 286 फार्मेसी कॉलेज फार्म डी (डॉक्टर ऑफ फार्मेसी) के लिए स्वीकृत हैं। (iv) 145 फार्मेसी कॉलेज फार्म डी (Post Baccalaureate) स्वीकृत हैं। (अ) बी फार्म प्रैक्टिस (ब्रिज कोर्स)के लिए 30 फार्मेसी कॉलेज स्वीकृत हैंय तथा (vi) एम. फार्म के लिए 874 अनुमोदित फार्मेसी कॉलेजध्संस्थान हैं। इसके अलावा, विभिन्न विश्वविद्यालयों के अंतर्गत लगभग 300 संस्थान और कॉलेज हैं जो फार्मेसी में पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं। फार्मेसी एक्ट के दूसरे उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में फार्मासिस्टों के पंजीकरण और पंजीकृत फार्मासिस्टों के आचरण की निगरानी के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए राज्य फार्मेसी परिषदों (State Pharmacy Council) का गठन किया गया था। अपंजीकृत व्यक्तियों द्वारा दवाओं के वितरण के लिए अभियोजन शुरू करने के लिए राज्य सरकार और राज्य फार्मेसी परिषद की कार्यकारी समिति दोनों को अधिकार दिया गया है। तीसरे उद्देश्य को पूरा करने के लिए अधिनियम ने राज्य सरकार और राज्य फार्मेसी परिषद की कार्यकारी समिति को फार्मासिस्ट होने का झूठा दावा करने वालों पर मुकदमा चलाने का अधिकार दिया गया है आज यह अधिनियम 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और यह भारत के सभी फार्मासिस्टों के साथ–साथ उन लाखों फार्मेसी छात्रों के लिए एक महान क्षण है जो डिप्लोमा से लेकर पीएचडी कर रहे हैं। श्री सचान ने कहा कि फार्मेसी के क्षेत्र में विश्व स्तर की दवाओं और टीकों के निर्माण में आश्चर्यजनक सफलता के साथ भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योगों को बड़ी उपलब्धि दिया है, जिससे भारत को विश्व की फार्मेसी के रूप में मान्यता प्राप्त करने में मदद मिली है। हालांकि, फार्मेसी प्रैक्टिस के मोर्चे पर और फार्मास्युटिकल केयर के मामले में इंडिया अभी भी काफी पीछे है। प्रत्येक नुस्खे की प्रभावकारिता में सुधार करने और दवा के सुरक्षा पहलुओं में सुधार करने के लिए या दूसरे शब्दों में आधुनिक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए WHO मानक फार्मास्युटिकल केयर होना चाहिए । स्वास्थ्य सेवा के मोर्चे पर फार्मासिस्ट की भूमिका विकसित देशों के समकक्ष होनी चाहिए जैसा कि डब्ल्यूएचओ द्वारा 1994 में निर्धारित किया गया था। स्वास्थ्य नीति निर्माताओं को दवाओं के तर्कहीन उपयोग और व्यापार से उत्पन्न होने वाले विनाशकारी खतरों पर काबू पाने की आवश्यकता का एहसास करना चाहिए । सरकार को हाथी समिति की रिपोर्ट 1975 और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दस्तावेज 'स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में फार्मासिस्ट की भूमिका' WHO/PHARM/94-569 से मदद लेनी चाहिए। इस दिशा में पहले कदम के रूप में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों को फार्मेसी सेवाओं के पुनर्गठन और आधुनिकीकरण के लिए फार्मेसी सेवा निदेशालय की स्थापना करनी चाहिए और क्लिनिकल फार्मेसी सेवाएं प्रदान करने के लिए फार्मास्युटिकल केयर के सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। फेडरेशन ने कहा कि फार्मेसी अधिनियम, 1948 के 75वें वर्ष में फार्मासिस्ट स्वस्थ, समृद्ध और विकसित भारत को सुनिश्चित करने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ 'अनुकूलित परिणामों के लिए तर्कसंगत दवा चिकित्सा' के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हाईकोर्ट ने चार की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदला, कहा– प्रत्येक अभियुक्त की भूमिका साफ न होने से मौत की सजा नहीं

लखनऊ ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 28 साल पहले चार लोगों की हत्या के एक मामले में अभियुक्तों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। कोर्ट ने अहम फैसले में कहा कि चूंकि घटना में दो ऐसे अभियुक्त भी शामिल थे, जिनकी पहचान नहीं हो सकी। साथ ही अभियोजन हर अभियुक्त की भूमिका को स्पष्ट नहीं कर सका है। लिहाजा इसे दुर्लभ से दुर्लभतम मामला नहीं कहा जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने इस मामले में दोषी करार दिए गए चार अभियुक्तों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति विवेक वर्मा की खंडपीठ ने यह निर्णय कृष्ण मुरारी, राघव राम वर्मा, काशी राम वर्मा और राम मिलन वर्मा की ओर से दाखिल अलग–अलग अपीलों पर सुनाया। इन अपीलों के साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील और मामले के वादी की पुनरीक्षण याचिका पर भी सुनवाई कर उन्हें निस्तारित कर दिया। हत्या का यह मामला अयोध्या (तत्कालीन फैजाबाद) जिले के तारुन थाने का वर्ष 1994 का था। आरोप था कि अपीलार्थियों ने अपने अन्य नकाबपोश साथियों के साथ मिलकर जमीन विवाद में राम देव, राम नरेश, सुखई व गिरीश की हत्या कर दी थी। अपर जिला और सत्र न्यायाधीश फैजाबाद की अदालत ने अपीलार्थियों को दोषी करार देते हुए उनके कृत्य को दुर्लभ से दुर्लभतम मामला करार देते हुए मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ ये अपीलें दायर की गई थीं। कोर्ट ने कहा दुर्लभ से दुर्लभतम केस नहीं कोर्ट ने अपीलार्थियों की दोषसिद्धि को तो बरकरार रखा लेकिन मामले

को दुर्लभ से दुर्लभतम नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि मृतकों को घातक चोट पहुंचाने के लिए कौन जिम्मेदार था? वर्तमान अपीलार्थीगण अथवा वे दो या तीन नकाबपोश जिनकी पहचान नहीं हो सकी, यह अभियोजन सिद्ध नहीं कर सका है। इसके अलावा अभियोजन यह भी सिद्ध नहीं कर सका कि अपीलार्थियों ने पूर्व नियोजित तरीके से घटना को अंजाम दिया। कोर्ट ने कहा कि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि अपराध का उद्देश्य क्या था?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीत के लिए अयोध्या में चल रहा भव्य महायज्ञ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) राम नगरी अयोध्या में हनुमानगढ़ी में सीएम योगी के दोबारा मुख्यमंत्री बनने के लिए महायज्ञ का आयोजन किया गया।उनकी जीत के लिए संतों ने भगवान से प्रार्थना किया।यूपी में 2022 का विधानसभा चुनाव कशमकश भरा है।अधिकतर विधानसभा सीटों पर सीधी लड़ाई है तो कुछ पर कड़ा त्रिकोणीय संघर्ष है. इसीलिए अब भाजपा से जुड़े संत महंत भगवान के सामने प्रार्थना व उनका अनुष्ठान कर रहे हैं और योगी आदित्यनाथ के दोबारा मुख्यमंत्री बनने के लिए अर्जी लगा रहे हैं।हनुमानगढ़ी में एक भव्य महायज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें वेद की रचनाओं के साथ–साथ वैदिक ब्राह्मण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दोबारा उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाए जाने और बीजेपी की प्रचंड जीत के लिए हवन किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अब तक लगभग 50 बार अयोध्या आ चुके हैं, ऐसे में अयोध्या में उनके समर्थकों का एक बहुत बड़ा धड़ा यह चाहता है कि मुख्यमंत्री दोबारा से प्रदेश का नेतृत्व करें जिससे कि अयोध्या का सतत विकास जारी रहे।अयोध्या हनुमानगढ़ी में योगी आदित्यनाथ को यूपी का दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के लिए यज्ञ पूजन और अनुष्ठान हुआ. 7 वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा बाकायदा हनुमानगढ़ी की हवन कुंड में यज्ञ आहुतियां डाली गई और विशेष अनुष्ठान हुआ. इस दौरान

हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और दोबारा मुख्यमंत्री बनने की राह में आने वाले संकटों को हरने की प्रार्थना की गई।हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि यज्ञ का उद्देश्य है कि हिंदुत्व का कार्य और योगी जी का शासन ऐसा चलता रहे. उन्होंने कहा कि योगी जी का उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री बनना तय है और उनको बनना चाहिए, इसी उद्देश्य को लेकर योगी जी विजय भव यज्ञ हनुमानगढ़ी में हम लोगों ने 7 वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा हवन कर रहे है।

65 वर्षीय वृद्ध ने अज्ञात कारणों के चलते खाई कीटनाशक दवा : हालत गंभीर

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता) जिले के कोतवाली बीकापुर अंतर्गत ग्राम गुन्नौर निवासी 65 वर्षीय वृद्ध ने अज्ञात कारणों के चलते कीटनाशक दवा खा लिया। जिसके चरते उसकी हालत गंभीर हो गई।जिसे इलाज ट्राम सेंटर दर्शननगर में भर्ती कराया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अक्षय लाल पुत्र राम शंकर आयु 65 वर्ष ग्राम गुन्नौर कोतवाली बीकापुर जनपद अयोध्या ने आज दोपहर अज्ञात कारणों के चलते कीटनाशक दवा भारी मात्रा में खा लिया हालत गंभीर होते देख परिजनों द्वारा सीएचसी बीकापुर ले जाया गया जहां से चिकित्सकों द्वारा जिला चिकित्सालय रेफर किया गया इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे डॉक्टर अनिल वर्मा ने हालत गंभीर देखते हुए दर्शन नगर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

जनसेवा केंद्र से नकदी सहित हजारों रुपए का सामान चोरी

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या) जिले के मवई की सैदपुर चौकी क्षेत्र अन्तर्गत मां कामाख्या धाम बाजार में स्थित बीती रात जनसेवा केन्द्र की दुकान में चोरी हो गई।सूत्र के मुताबिक चोर दुकान का दरवाजा तोड़कर नकदी सहित हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए।इस मामले में भुक्तभोगी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल शुरू की।लोगों के मुताबिक जिले के मवई थाना क्षेत्र के ग्राम सैमसी निवासी नीलेश कुमार पुत्र मूलचंद्र की कामाख्या धाम बाजार में शिवांगी जनसेवा केंद्र नाम से दुकान है।भुक्तभोगी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की शाम को वह दुकान बंद कर अपने घर चला गया था।मंगलवार की रात चोर दुकान के पीछे लगे दरवाजे को तोड़कर कर अंदर प्रवेश कर गए और दुकान में लगा इनवर्टर,बड़ी बैट्री,फोटो स्टेट मशीन,पावर बोर्ड,एक पेटी ए 4 पेपर,लेमिनेशन मशीन,शादी कार्ड छापने वाली मशीन व लगभग एक हजार रूपए लेकर चंपत हो गए।भोर में बगल कि दुकान में सो रहे भुक्तभोगी के पिता मूलचंद्र को घटना कि जानकारी हुई तो उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।इस संबंध में सैदपुर चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर गई थी।उन्होंने बताया एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

12 मार्च को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)जिले में जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में 12 मार्च को जिला न्यायालय सत्र परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में तहसील न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय के स्तर तक किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामले को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने के लिए आवेदन पत्र देकर अंतिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव के लिए लम्बित मामलों से छुटकारा पाने का स्वर्णिम अवसर है। राष्ट्रीय लोक अदालत में समस्त प्रकार के शमनीय आपराधिक मामले, चेक बाउंस से सम्बंधित धारा 138 ए0एन0आई0 एक्ट के बाद, बैंक रिकबरी वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, श्रम वाद, बिजली एवं जल के बिल से सम्बंधित शमनीय दण्ड, वैवाहिक/पारिवारिक वाद, भूमि अध्याप्ति वाद, सेवानिवृत्त के परिलाभों से सम्बंधित मामले, राजस्व वाद सहित अन्य सिविल वाद सम्बंधित वाद/प्रकरण का निस्तारण किया जायेगा। लोक अदालत के माध्यम से पक्षों के मध्य आपसी सुलह समझौतों के आधार पर विवाद का निस्तारण पक्षकार–व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं पहल कर सकते है। लोक अदालत में निस्तारण हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क देय नही है। लम्बित मामलें के लोक अदालत में निस्तारण पर न्यायालय शुल्क की वापसी की व्यवस्था की गयी है। लोक अदालत के निर्णय के विरूद्व कोई अपील नही होती है। कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बंध में अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 18004190234 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण आज

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता) निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा की मतगणना 10 मार्च 2022 को कराई जाएगी।इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने मतगणना की तैयारी को लेकर निर्देश दिए हैं।उनका मानना है कि मतगणना के दौरान निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए।त्रुटिविहीन मतगणना कराए जाने के लिए सभी कार्मिकों का बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके क्रम में कल 4 मार्च 2022 को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में कार्मिकों का प्रशिक्षण कराया जाएगा। सभी कार्मिकों को ट्रेनिंग में उपस्थित रहना अनिवार्य है, अनुपस्थित रहने वालो कार्मिकों के विरोध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफ0आई0आर दर्ज करायी जाएगी।

गोरखपुर में किसने मारा छक्का : कौन शून्य पर हुआ आउट : दस मार्च को चलेगा पता

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के करीब 35.91 लाख मतदाताओं ने बृहस्पतिवार को ईवीएम का बटन दबाकर 109 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कर दिया है। हालांकि, परिणाम दस मार्च को सामने आएगा। इसके बाद ही पता चलेगा कि मतदाताओं की कृपा किस प्रत्याशी पर बरसी है। जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर कहीं दो प्रत्याशियों के बीच सीधा तो कहीं त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला है। राजनीतिक दलों के कोर वोटरों को छोड़ दें तो अधिकतर मतदाता खामोश ही रहे। वोटरों की चुप्पी की वजह से प्रत्याशी भी उनका मूड भांपने में कामयाब नहीं रहे। इस वजह से चुनाव में उन्हें अधिक मेहनत मशक्कत करनी पड़ी। गोरखपुर शहर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद चुनावी बैटिंग करने उतरे हैं। उन्हें घेरने के लिए विपक्ष ने भी स्पिन और तेज गेंदबाजों से बॉलिंग कराई है। इसी तरह कई वर्तमान और पूर्व विधायकों ने भी चुनावी पिच पर बैटिंग की है। कई नए खिलाड़ी भी मैदान पर उतरे हैं। अब दस मार्च को पता चलेगा कि किसने चौका व छक्का मारा और कौन शून्य पर आउट हो गया। गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र मतदान प्रतिशत–55.12 योगी की जीत पर नहीं, जीत के अंतर पर चर्चा गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मुकाबला, किसी राजनीतिक दल या प्रत्याशी से नहीं दिखा। बूथों पर जो मतदाता मिले, वह बस यही कहते मिले कि योगी के जीतने का अनुमान लगाना ठीक नहीं है। जीत का अंतर कितना होगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। चुनाव जरूर जीतेंगे, इसमें किसी तरह का कोई शक नहीं है। वह इसी क्षेत्र से लगातार पांच बार सांसद रहे हैं। इस बार विकास के मुद्दे पर वोट डाले गए हैं। मोहद्दीपुर स्थित रफी अहमद किदवई इंटर कॉलेज में सुबह सात बजे से ही मतदान शुरू हो गया। मतदाता तेजी से आए और मतदान करके चले गए। मोहद्दीपुर की सुनीत कोहली और धर्मेश कुमार शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में मुद्दा विकास व सुरक्षा है। पिछले पांच वर्षों में गोरखपुर बदल गया है। मोहद्दीपुर क्षेत्र ही देख लीजिए। विकास के मामले

में जमीन–आसमान का अंतर है। राजकीय जुबली इंटर कॉलेज पर मतदान करने आईं सीमा शाही ने कहा कि इस बार अच्छे प्रत्याशी की कमी नहीं है। योगी आदित्यनाथ योग्य उम्मीदवार हैं। सेंट एंड्रयूज इंटर कॉलेज में मतदान करने आईं शिक्षाविद लता द्विवेदी, रक्षा द्विवेदी, सविता शुक्ला ने कहा कि अब जाति–धर्म के नाम पर मतदान नहीं होगा। जो विकास करेगा, वही जीतकर जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुरक्षा का माहौल बनाया है। विकास देखा जा सकता है। सेंट एंड्रयूज डिग्री कॉलेज में मतदान करके निकले शिक्षाविद अजय शाही और आराधना शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री चुनाव जीतेंगे, इसमें किसी तरह का कोई संशय नहीं है। देखना यह होगा कि जीत का अंतर कितना रहेगा। मतदान फीसदी बढ़ा है। इसका मतलब है कि जीत का अंतर भी बढ़ जाएगा। तुलसीदास इंटर कॉलेज में मतदान करने वाले डॉ. भोलेंद्र नारायण दुबे और डॉ. उपमा दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री को बड़े अंतर से जीत मिलेगी। मतदान फीसदी बढ़ा 2022 के विधानसभा चुनाव में मतदान के आंकड़े बताते हैं कि इस बार इस क्षेत्र में अब तक का रिकॉर्ड बना है। शाम छह बजे तक प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र में 55.12 फीसदी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर पूर्व के चुनावों के मतदान प्रतिशत को पीछे छोड़ चुके थे। मतदान का यह बढ़ा प्रतिशत पूर्व के चुनावों की प्रवृति पर कायम रहा तो भाजपा प्रत्याशी के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीत का अंतर नए रिकॉर्ड के रूप में सामने आ सकता है।

दो बच्चों के साथ ससुराल से मायके को निकली महिला गायब

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) परिजनो के मुताबिक जिले के कुमारगंज थाना क्षेत्र के बिरौली झाम गांव निवासिनी कृष्णा देवी अपने दो बच्चों को लेकर कटरा देवरा के लिए घर से निकली थी,जो वहां नहीं पहुंची।वहीं उसका पति सियाराम कोरी ने इस मामले में कुमारगंज पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए गुहार लगाई है कि मेरी पत्नी कृष्णा देवी बेटी नंदिनी और बेटा दीपक को साथ लेकर 22 फरवरी को घर से देवरा कटरा के लिए निकली थी जहां पर उसका मायका है।कई दिन बीत जाने के बाद जब पति सियाराम कटरा देवरा पत्नी व बच्चों से मिलने पहुंचा तो मायके वालों ने बताया कि वह यहां आई ही नहीं।पति के शिकायती प्रार्थना पत्र के मुताबिक कृष्णा देवी स्वयं सहायता समूह में भी है जिसमें तीस हजार का कर्ज लिया है।सियाराम का कहना है कि उसके दोनों बच्चों को थाने पर हाजिर करवाया जाए जो निर्णय लिया जाएगा मुझे मान्य होगा। इस

संबंध में थानाध्यक्ष कुमारगंज ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जिस पर जांच कराई जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसएसपी के साथ मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय के साथ विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के मतगणना हेतु राजकीय इंटर कालेज में बनाये जा रहे मतगणना स्थल का निरीक्षण किया।इस निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पंडालों का निरीक्षण करते हुये समस्त कार्य को समय पर पूर्ण करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये।इस मौके पर उन्होंने कहा कि मतगणना का कार्य त्रुटिविहीन एवं पारदर्शिता के साथ कैमरे की निगरानी में सम्पन्न कराया जायेगा।उसके लिए समस्त पंडालों में लगाये गये कैमरों

की जांच समय पर पूर्ण करते हुये मतगणना के लिए सक्रिय करें।इसके साथ ही मतगणना से सम्बंधित सभी तैयारियों को तथा समस्त पंडालों को समय पर तैयार कर लिये जाये एवं समुचित व्यवस्थाओं को ससमय पूर्ण कर लिये जायें।उन्होंने उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह को निर्देश दिये कि वे अपनी देखरेख में कन्ट्रोल रूम, निगरानी कक्ष आदि को समय पर पूर्ण करें तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुये कोविड गाइडलाइन के अनुरूप कार्य सम्पादित करें।

अयोध्या सांसद ने चार विधानसभाओं की किया बूथ वाईस समीक्षा

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। भाजपा कार्यालय पर संगठनात्मक रुप से गठित जिले में आने वाली चार विधानसभाओं की बूथ वाईस समीक्षा की गयी। सांसद लल्लू सिंह व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने मंडल अध्यक्ष व महामंत्री से प्रत्येक बूथ पर पार्टी की स्थिति के विषय में जानकारी हासिल की। समीक्षा के बाद गोसाईगंज 27 हजार, रुदौली 22 हजार, मिल्कीपुर 23 हजार व बीकापुर में 34 हजार मतों से जीत निकल कर सामने आयी। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि इस चुनाव में डबल डोज का राशन व भयमुक्त परिवेश जनता के बीच सबसे बड़ा मुद्दा था। सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। बूथ के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा में गरीबों की पसंद के रुप में भाजपा उभर कर आयी। युवाओं और महिलाओं का व्यापक रुप से समर्थन पार्टी को मिला। चुनाव में इस बार अडर करंट दिखाई दिया। जनपद में विधानसभा की सभी सीटों पर भाजपा जीत दर्ज करेगी। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि समीक्षा के दौरान बूथ के पदाधिकारियों व पन्ना प्रमुखों की राय को समावेशित किया गया। पार्टी के पदाधिकारियों ने विभिन्न मतदाताओं से वार्ता करके उनकी राय भी जानी। गरीब खुलकर भाजपा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त कर रहे थे। भाजपा को सभी जाति व धर्म के लोगो का समर्थन मिला है। राधा और रुकसाना को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ मिला। भयमुक्त, दंगामुक्त परिवेश, कानून व्यवस्था और कोविड काल में सरकार द्वारा किये गये कार्यो की वजह से समाज का हर वर्ग भाजपा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त कर रहा था। जिला महामंत्री राघवेन्द्र पाण्डेय ने मंडल अध्यक्षों व महामंत्रियों द्वारा बताई गयी सूचनाओं को सूचीबद्ध किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कमलाशंकर पाण्डेय, अवधेश पाण्डेय बादल, महामंत्री राघवेन्द्र पाण्डेय, राधेश्याम त्यागी उपस्थित रहे।

तेंदुए को देख मचा हाहाकार: खौफनाक था सुबह का नजारा : कांपी हर किसी की रूह

मेरठ ब्यूरो : मेरठ के मोदीपुरम के गांव दुल्हैड़ा की ओर से होता हुआ एक तेंदुआ शुक्रवार सुबह पल्लवपुरम के क्यू पॉकेट के मकान नंबर 72 में घुस गया। इससे परिवार में हड़कंप मच गया। एक घंटे तक परिवार कमरे में कैद रहा। सूचना पर पुलिस व भीड़ इकट्ठा हो गई। मकान मालिक स्वप्निल ने बताया कि जोरदार आवाज आने पर उन्होंने खिड़की से बाहर झांक कर देखा तो उन्हें तेंदुआ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें बाहर आने से मना किया। उनके अलावा उनकी पत्नी प्रीति शर्मा, माता आभा शर्मा, भाभी और दो बच्चे घर में बंद हो गए। वहीं पुलिस ने वन विभाग को मामले की जानकारी दी। तकरीबन एक घंटे बाद भी टीम मौके पर नहीं पहुंची। बताया गया कि तेंदुए को सबसे पहले डॉ. राजकुमार चौधरी ने भागते हुए देखा था। उन्हीं के शोर मचाने पर भीड़ एकत्रित हुई और तेंदुआ स्वप्निल के घर में घुस गया। पहले तेंदुआ मकान में बंद था। यहां जाल लगाकर उसे कैद करने की कोशिश की गई। तेंदुआ जाल में फंस भी गया था लेकिन कुछ ही देर बाद वह जाल से निकलकर एक खाली प्लॉट में जा पहुंचा। इस दौरान तकरीबन 400 मीटर तक लोगों के बीच ही तेंदुआ दौड़ता रहा।हालांकि आसपास मौजूद भीड़ पर तेंदुए ने हमला नहीं किया। तेंदुआ केवल अपनी जान बचाने के लिए दौड़ता रहा। अब फिर से तेंदुए को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे

हैं। वन विभाग ने तेंदुए के पास प्लॉट में एक ही जाल लगाया लेकिन अब दूसरा जाल मंगवाया गया है।बताया गया कि प्लॉट में ही तेंदुआ बैठा हुआ है। यदि वहीं पर ट्रैंक्विलाइजर गन लग जाती तो उसे पकड़ लिया जाता। अब पल्लवपुरम फेज 2 मुख्य डिवाइडर रोड के पास एक प्लॉट जो खाली है, उसमें तेंदुआ बैठा हुआ है जिसकी दोबारा से घेराबंदी की जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नीतीश कुमार ने मतगणना की तैयारी को लेकर दिए निर्देश

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार।निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा की मतगणना 10 मार्च 2022 को कराई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने मतगणना की तैयारी को लेकर निर्देश दिए हैं कि मतगणना के दौरान निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए। त्रुटिविहीन मतगणना कराए जाने के लिए सभी कार्मिकों का बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके क्रम में कल 4 मार्च 2022 को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में कार्मिकों का प्रशिक्षण कराया जाएगा। सभी कार्मिकों को ट्रेनिंग में उपस्थित रहना अनिवार्य है, अनुपस्थित रहने वालो कार्मिकों के विरोध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफ0आई0आर दर्ज करायी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थल में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, अस्त्र–शस्त्र, पानी की बोतल, सैनिटाइजर माचिस या अन्य कोई ज्वलनशील पदार्थ पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसलिए कोई भी किसी प्रकार की सामग्री अपने साथ लेकर ना आए। उन्होंने मतगणना स्थल पर बेहतर साफ–सफाई व मोबाइल टॉयलेट का प्रबंध करने के निर्देश नगर निगम को दिए हैं तथा चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड हेल्प डेस्क, मेडिकल टीम व मानक के अनुरूप अन्य चिकित्सा सेवाओं के साथ ही एंबुलेंस का प्रबंध करें।

शॉप्रिक्स मॉल में चिलर प्लांट की लाइन फटने से मची भगदड़

मेरठ ब्यूरो : मेरठ में शॉप्रिक्स मॉल में गुरुवार की शाम अचानक चिलर लाइन की पाइपलाइन फटने से बेसमेंट माइनस थ्री में करीब तीन फीट तक जलभराव हो गया। मॉल के स्टाफ ने बड़े हादसे की आशंका की वजह से पूरे मॉल की बिजली काट दी। इससे तीनों मल्टीप्लैक्स, होटल कंट्री इन और होटल हाइफन अंधेरे में डूब गए। मॉल की लिफ्ट में लोग फंस गए। एस्केलेटर भी थम गए। दहशत में बदहवास लोग मॉल से बाहर की ओर भागने लगे। बैटरी बैकअप का सहारा लेकर किसी तरह लोगों को निकाला गया। शाम के समय मॉल में चहल पहल थी और हजारों लोग खरीदारी कर रहे थे। तीनों मल्टीप्लेक्स में फिल्म चल रही थीं। होटल कंट्री इन में ग्वालियर के एक परिवार ने मेरठ में होने वाले शादी–समारोह के लिए 55 कमरे बुक कराए हुए थे। शाम साढ़े चार बजे अचानक पूरे मॉल की बिजली चली गई तो लोग डर गए। अंधेरे में यूपीएस के सहारे कुछ लाइट जलाने का प्रयास किया गया। रात्रि नौ बजे तक होटल और मॉल प्रबंधन के द्वारा पानी निकालने के लिए जेनरेटर की व्यवस्था नहीं की जा सकी। होटल कंट्री इन और होटल हाइफन को भी खाली कराया गया। बेसमेंट में तीन फीट जलभराव की वजह से वहां खड़ी कारों में भी पानी भर गया। मॉल मैनेजर शिवा ने बताया कि टेक्निकल टीम ने मैंटेनेंस कार्य आरंभ कर दिया है। हीटर आदि की मदद से एलटी लाइन को सुखाया जा रहा है। बेसमेंट से पानी भी निकालने का प्रयास किया जा रहा है।मल्टीप्लेक्स के सभी शो बंदफाल्ट होने के बाद रात में नौ बजे के बाद मल्टीप्लेक्स के सभी शो बंद कर दिए गए। अंदर फिल्म देख रहे लोगों को यूपीएस के बैकअप का सहारा लेकर बाहर निकाला गया। वेव सिनेमा के मैनेजर संजीव ने बताया कि लिफ्ट बंद होने के कारण लोगों को सीढ़ियों से बाहर निकाला गया।

सम्पादक मंडल

पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से मे0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।